पाठ – 1 विकास

अभ्यास

Q1. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है -
(क) प्रतिव्यक्ति आय
(ख) औसत साक्षरता स्तर
(ग) लोगों की स्वास्थ्य स्थिति
(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर : (क) उपरोक्त सभी

Q2. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है -
(क) बांग्लादेश
(ख)श्रीलंका
(ग) नेपाल
(घ) पाकिस्तान

उत्तर : (ख) श्रीलंका

Q3. मान लीजिए की एक देश में 4 परिवार हैं | इन परिवारों की प्रतिव्यक्ति आय 5,000 है | अगर 3 परिवारों की आय क्रमशः 4,000, 7,000 और 3,000 रुपए है, तो चौथे परिवार की आय क्या है ?
(क) 7,500 रूपये
(ख) 3,000 रूपये
(ग) 2,000 रूपये
(घ) 6,000 रूपये

उत्तर : (घ) 6000

Q4. विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिए किस मापदंड का प्रयोग करता है ? इस मापदंड की, अगर कोई है , तो सीमाएँ क्या है ?

उत्तर : विश्व बैंक द्वारा विभिन्न देशों को वर्गीकृत करने में उपयोग की जाने वाली मुख्य कसौटी किसी देश के व्यक्ति की प्रति व्यक्ति आय या औसत आय है। इस मापदंड की सीमाएं: यह हमें इस बारे में नहीं बताता है कि व्यक्तिगत देशों में लोगों के बीच यह औसत आय कैसे वितरित की जाती है। आय वितरण के संबंध में प्रति व्यक्ति आय वाले दो देश बहुत भिन्न हो सकते हैं। एक के पास आय का समान वितरण हो सकता है, जबकि दूसरे में अमीर और गरीब के बीच बड़ी असमानताएँ हो सकती हैं। राष्ट्रीय आय वर्गीकरण का अच्छा मापदंड नहीं है |

Q5. विकास मापने का यू. एन. डी. पी. का मापदण्ड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदण्ड से अलग है ?

उत्तर : विकास को मापने के लिए यू. एन. डी. पी द्वारा उपयोग की जाने वाली कसौटी, विश्व बैंक द्वारा इस अर्थ में उपयोग किए जाने वाले से अलग है कि यह

(i) स्वास्थ्य - स्वास्थ्य विकास मापने का एक महत्वपूर्ण मापदंड है | जिस देश के लोगों की औसतन जीवन प्रत्याशा ज्यादा हो उससे ज्यादा विकसित माना जाएगा |

(ii) शिक्षा-किसी देश के शैक्षिक स्तर को देख के उसके विकास का अंदाजा लगाया जा सकता है |

(iii) आय- प्रति-व्यक्ति आय का इस्तेमाल करके यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस देश में जीवन स्तर क्या होगा| अतः यह विकास मापने के लिए एक महत्वपूर्ण मापदंड हो सकता है | यू. एन. डी. पी इन कारकों के संयोजन को विकास के संकेतक के रूप में उपयोग करता है। यह केवल प्रति व्यक्ति आय पर निर्भर नहीं करता है, जैसा कि विश्व बैंक के मामले में है।

Q6. हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं? इनके प्रयोग करने की क्या कोई सीमाएँ है ? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए |

उत्तर : हम औसत का उपयोग करते हैं क्योंकि वे एक ही श्रेणी के अलग-अलग मात्रा की तुलना करने के लिए उपयोगी हैं। उदाहरण के लिए, किसी देश की प्रति व्यक्ति आय की गणना करने के लिए, औसत का उपयोग करना होगा क्योंकि विविध लोगों की आय में अंतर हैं। हालांकि, औसत के उपयोग की सीमाएं हैं। भले ही वे तुलना के लिए उपयोगी हों, लेकिन वे असमानताओं को भी छिपा सकते हैं। उदाहरण के लिए, किसी देश की शिशु मृत्यु दर उस देश में पैदा हुए पुरुष और महिला शिशुओं के बीच अंतर नहीं करती है। इस तरह का एक औसत हमें इस बारे में कुछ नहीं बताता है कि एक की उम्र से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या ज्यादातर लड़के या लड़कियाँ हैं।

Q7. प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमांक हरियाणा से ऊँचा है | इसलिए प्रतिव्यक्ति आय एक उपयोगी मापदंड बिलकुल नहीं है और राज्यों की तुलना के लिए इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए | क्या आप सहमत हैं? चर्चा कीजिए |

उत्तर : केरल, प्रति व्यक्ति कम आय के साथ हरियाणा से बेहतर मानव विकास क्रमांक है। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि प्रति व्यक्ति आय एक उपयोगी मापदंड नहीं है। प्रति व्यक्ति आय निश्चित रूप से एकमात्र मापदंड नहीं है और इसकी अपनी सीमाएं हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह बिल्कुल उपयोगी नहीं है। इस औसत की कमी का मुकाबला करने के लिए, मानव विकास सूचकांक का उपयोग किया जाता है। मानव विकास सूचकांक तुलना के लिए विकास कारकों (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, आय) के संयोजन का उपयोग करता है। साथ ही, प्रति व्यक्ति आय राज्यों के मनी इंडेक्स की तुलना के लिए उपयोगी है। इस प्रकार, प्रति व्यक्ति आय विकास कारकों में से एक है, और इसे दूर नहीं किया जा सकता है।

Q8. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्रोतों का प्रयोग किया जाता है ? ज्ञात कीजिए | अब से 50 वर्ष बाद क्या संभावनाएँ सकती हैं?

उत्तर : ऊर्जा के वर्तमान स्रोत जो भारत के लोगों द्वारा उपयोग किए जाते हैं, वे हैं (i) बिजली - बिजली का उपयोग बहुत फैला हुआ है| इसके सहारे तरह तरह के यंत्र काम करते है , साथ ही प्रकाश के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बल्ब भी इसके सहारे चलते है | (ii) कोयला- कोयले का इस्तेमाल मुख्य रूप से ईंधन के लिए किया जाता है |कोयले का उपयोग वाष्प इंजन में और उद्योगों में कच्चे माल के रूप में होता है | (iii) कच्चा तेल - कच्चे तेल का सबसे बड़ा हिस्सा ऊर्जा वाहक के लिए उपयोग किया जाता है जिसे गैसोलीन, जेट ईंधन, डीजल और हीटिंग तेलों में जोड़ा जा सकता है। (v) सौर ऊर्जा - इसका इस्तेमाल अभी बिजली बनाने के लिए मुख्य रूप से किया जा रहा है | सूरज की ऊर्जा का इस्तेमाल रौशनी पैदा करने और हीटिंग के उद्देश्य से किया जाता है | अब से पचास साल बाद अन्य संभावनाओं में, इथेनॉल, बायो-डीजल, परमाणु ऊर्जा और पवन ऊर्जा का बेहतर उपयोग शामिल हो सकता है | ऊर्जा के अनवीकरणीय स्रोत एक बार प्रयोग करने पर समाप्त हो जाते है | यदि हमें इन संसाधनों को बचाना है तो नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग बढ़ाना होगा |

Q9. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ?

उत्तर : विकास के लिए धारणीयता का मुद्दा महत्वपूर्ण है क्योंकि विकास भविष्य के साथ मिलकर होना चाहिए। यदि प्राकृतिक संसाधनों का रखरखाव नहीं किया जाता है, तो एक समय के बाद विकास रुक जाएगा। अनैतिक रूप से संसाधनों का शोषण अंततः उस विकास को पूर्ववत कर देगा जो किसी देश ने हासिल किया हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि भविष्य में, वे संसाधन आगे की प्रगति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

Q10. धरती के पास सब लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन है , लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं | यह कथन विकास की चर्चा में कैसे प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए |

उत्तर : धरती के पास सभी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं लेकिन एक व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह कथन विकास की चर्चा के लिए प्रासंगिक है क्योंकि संसाधन और विकास दोनों हाथ से जाते हैं। विकास की स्थिरता के लिए, संसाधनों का रखरखाव भी महत्वपूर्ण है। जैसा कि कथन का दावा है, भारत के पास पर्याप्त संसाधन हैं- नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय- सभी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए; हालाँकि, इनका उपयोग पर्यावरण को संरक्षित और स्वच्छ रखने की दृष्टि से किया जाना चाहिए ताकि उत्पादन और उपयोग का संतुलन बना रहे, और कमी से बचा जा सके।

Q11. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आसपास देखे हों|

उत्तर : पर्यावरणीय गिरावट विभिन्न तरीकों से प्रकट होती है।

(i) जल प्रदूषण - नदियों,झीलों में कारख़ानों से निकलने वाले गंदे पानी, कूड़ा-कचरा मिलने से जल प्रदूषण होता है | गंदगी से जल में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जिससे जलीय जीव जिन्दा नहीं रह पाते |

(ii) वायु प्रदूषण - ऑटोमोबाइल से अत्यधिक वायु प्रदूषण होता है| ओज़ोन परत में छेद भी वायु प्रदूषण की वजह से होता है | जीवाश्म ईंधन जलाने से निकलने वाले धुएँ से वायु प्रदूषित होती है |

(iii) भूमि प्रदूषण - भूमि पर कचरा फेंकने से मिट्टी का क्षरण है और भूजल का स्तर गिरता है|

Q12. तालिका 1.6 में दी गयी प्रत्येक मद के लिए ज्ञात कीजिए कि कौन-सा देश सबसे ऊपर है और कौन-सा सबसे नीचे

तालिका **1.6 - वर्ष 2017 के लिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के कुछ आँकड़े**

देश	सकल राष्ट्रीय आय प्रतिव्यक्ति अमेरिकी डॉलर में (2011 क्रय शकित क्षमता)	जन्म के समय संभावित आयु (2017)	विद्यालयी औसत आयु 25 वर्ष या उसके अधिक (2017)	विश्व में मानव विकास सूचकांक (HDI) का क्रमांक (2016)
श्रीलंका	11,326	75.5	10.9	76
भारत	6,353	68.8	6.4	130
म्यांमार	5,567	66.7	4.9	148
पाकिस्तान	5,331	66.6	5.2	150
नेपाल	2,471	70.6	4.9	149
बांग्लादेश	3,677	72.8	5.8	136

उत्तर : (i) यूएस में प्रति व्यक्ति आय $: शीर्ष देश - श्रीलंका; निचला देश - नेपाल (ii)जन्म के समय संभावित आयु : शीर्ष देश - श्रीलंका; निचला देश - पाकिस्तान (iii) विद्यालयी औसत आयु 25 वर्ष या उसके अधिक : शीर्ष देश - श्रीलंका; निचला देश - नेपाल ,म्यांमार (iv) दुनिया में HDI रैंक: शीर्ष देश - श्रीलंका; निचला देश – नेपाल

Q13. नीचे दी गयी तालिका में भारत में वयस्कों (15-49 वर्ष आयु वाले) जिनका बी.एम.आई. सामान्य से कम है (बी.एम.आई.<18.5kg/m2) का अनुपात दिखाया गया है| यह वर्ष 2015-16 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है | तालिका का अध्यनन करके निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर दीजिए |

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल कर्नाटक मध्य प्रदेश	8.5 17 28	10 21 28
सभी राज्य	20	23

(क) केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तर की तुलना कीजिए |

(ख) क्या आप अंदाज़ लगा सकते हैं कि देश में लगभग हर पांच में से एक व्यक्ति अल्पपोषित क्यों है, यद्यपि यह तर्क दिया जाता है कि देश में पर्याप्त खाद्य है? अपने शब्दों में विवरण दीजिये|

उत्तर : (क) केरल और मध्य प्रदेश के लोगों का पोषण स्तर अलग-अलग है। जहां केरल में क्रमशः 8.5% और 10% पुरुष और महिलाएं कमज़ोर हैं, वहीं मध्य प्रदेश मे पुरुष और महिला अल्पपोषण के संबंधित प्रतिशत 28% और 28% हैं। इसका तात्पर्य यह है कि केरल में मध्य प्रदेश की तुलना में अधिक अच्छी तरह से लोगों का पोषण हुआ है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के लिए अल्पपोषण औसत पूरे देश के लिए अधिक है, जबकि केरल के लिए राष्ट्रीय औसत से कम है

(ख) देश में पर्याप्त भोजन की मौजूदगी के बावजूद, हर पांचवा भारतीय कुपोषित हैं। इसका कारण भोजन का अनियमित और व्यवस्थित वितरण है। देश के कुछ राज्य राशन की दुकानों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस) के अन्य रूपों को सुचारु रूप से चलाना सुनिश्चित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि किसी को भी भोजन के बिना नहीं जाना है, विशेष रूप से गरीबों के लिए जिनके लिए राशन की दुकानें रियायती दरों पर खाद्यान्न प्रदान करती हैं। हालांकि, अधिक निर्यात और असंगत खाद्य आपूर्ति के कारण आम भारतीय लोग कमज़ोर हैं।